



Trisha prasad

15 Apr 2019

10:45 AM

Bongaigaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 120926810

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 15/04/2019
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 10:45:00 घंटे
इष्ट _____: 13:59:56 घटी
स्थान _____: Bongaigaon
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:28:00 उत्तर
रेखांश _____: 90:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:32:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 11:17:16 घंटे
वेलान्तर _____: -00:00:09 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:49:36 घंटे
सूर्योदय _____: 05:09:01 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:51:10 घंटे
दिनमान _____: 12:42:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 00:50:27 मेष
लग्न के अंश _____: 27:53:46 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: सिंह - सूर्य
नक्षत्र-चरण _____: मघा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: गण्ड
करण _____: वणिज
गण _____: राक्षस
योनि _____: मूषक
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: वनचर
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: मा-मानवी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मेष

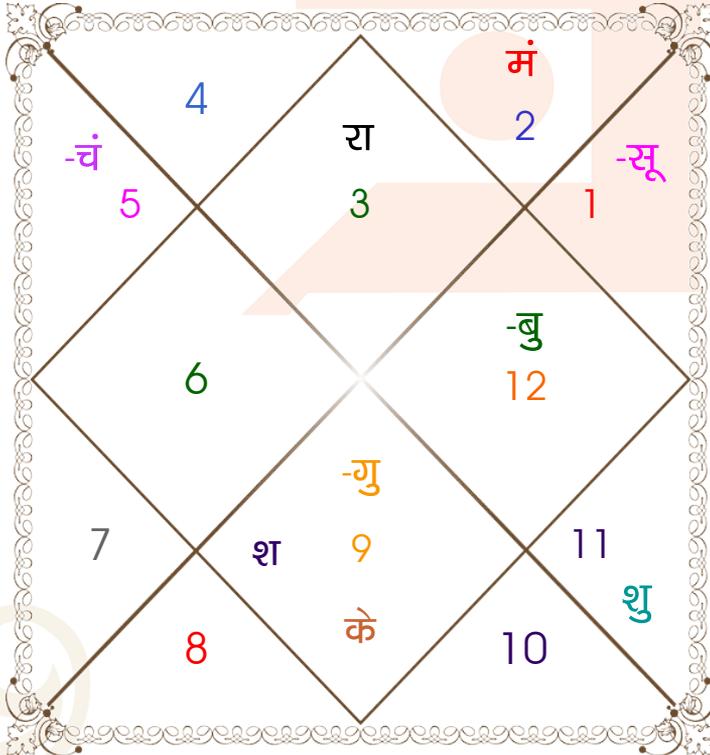
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	27:53:46	312:10:26	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	00:50:27	00:58:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	02:52:14	14:28:46	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	15:44:41	00:39:24	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मीन	03:29:11	01:08:14	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु	व		धनु	00:11:48	00:00:51	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मूलत्रिकोण
शुक्र			कुंभ	29:16:43	01:12:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि			धनु	26:13:03	00:01:27	पूर्वाषाढा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
राहु	व		मिथु	27:51:37	00:03:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	27:51:37	00:03:42	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मेष	07:57:45	00:03:26	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	23:26:42	00:01:54	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	29:00:28	00:00:17	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मीन	19:20:55	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

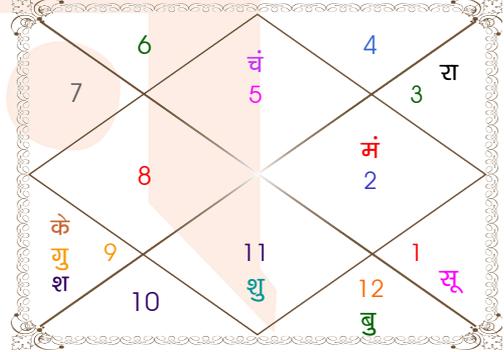
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:18

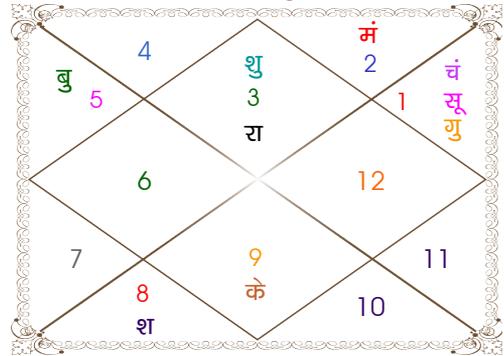
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 5 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
15/04/2019	11/10/2024	11/10/2044	12/10/2050	11/10/2060
11/10/2024	11/10/2044	12/10/2050	11/10/2060	12/10/2067
15/04/2019	शुक्र 11/02/2028	सूर्य 29/01/2045	चंद्र 12/08/2051	मंगल 09/03/2061
शुक्र 10/05/2019	सूर्य 10/02/2029	चंद्र 30/07/2045	मंगल 12/03/2052	राहु 28/03/2062
सूर्य 15/09/2019	चंद्र 12/10/2030	मंगल 05/12/2045	राहु 11/09/2053	गुरु 04/03/2063
चंद्र 15/04/2020	मंगल 12/12/2031	राहु 30/10/2046	गुरु 11/01/2055	शनि 12/04/2064
मंगल 11/09/2020	राहु 12/12/2034	गुरु 18/08/2047	शनि 11/08/2056	बुध 09/04/2065
राहु 29/09/2021	गुरु 12/08/2037	शनि 30/07/2048	बुध 11/01/2058	केतु 05/09/2065
गुरु 05/09/2022	शनि 11/10/2040	बुध 06/06/2049	केतु 12/08/2058	शुक्र 05/11/2066
शनि 15/10/2023	बुध 12/08/2043	केतु 12/10/2049	शुक्र 12/04/2060	सूर्य 13/03/2067
बुध 11/10/2024	केतु 11/10/2044	शुक्र 12/10/2050	सूर्य 11/10/2060	चंद्र 12/10/2067

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
12/10/2067	12/10/2085	13/10/2101	12/10/2120	13/10/2137
12/10/2085	13/10/2101	12/10/2120	13/10/2137	00/00/0000
राहु 24/06/2070	गुरु 30/11/2087	शनि 15/10/2104	बुध 11/03/2123	केतु 11/03/2138
गुरु 17/11/2072	शनि 12/06/2090	बुध 25/06/2107	केतु 07/03/2124	शुक्र 16/04/2139
शनि 24/09/2075	बुध 17/09/2092	केतु 03/08/2108	शुक्र 06/01/2127	00/00/0000
बुध 12/04/2078	केतु 24/08/2093	शुक्र 04/10/2111	सूर्य 12/11/2127	00/00/0000
केतु 01/05/2079	शुक्र 24/04/2096	सूर्य 15/09/2112	चंद्र 13/04/2129	00/00/0000
शुक्र 30/04/2082	सूर्य 10/02/2097	चंद्र 16/04/2114	मंगल 10/04/2130	00/00/0000
सूर्य 25/03/2083	चंद्र 12/06/2098	मंगल 26/05/2115	राहु 27/10/2132	00/00/0000
चंद्र 23/09/2084	मंगल 19/05/2099	राहु 01/04/2118	गुरु 02/02/2135	00/00/0000
मंगल 12/10/2085	राहु 13/10/2101	गुरु 12/10/2120	शनि 13/10/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोत्तम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली महिला हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगी। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकती हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली महिला होंगी।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाती है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाली नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करती। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता है तथापि कोई संदेह नहीं कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करती हैं। आप कुशल बुद्धि की चालाक महिला हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगी।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगी। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत्त हो सकती हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगी वह अकारण ही बर्बाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करें।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगी।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकती हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि की प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकती हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबी, दुबली आकृति की, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध महिला हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित पुरुषों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगी।

आप ऐसा नहीं चाहेंगी कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपने पति एवं संतान को प्यार करती हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासनात्मक संतुष्टि क्यों चाहती हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहती हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैंगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।